भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3590
बुधवार, 22 मार्च, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम विज्ञानी की नियुक्ति

3590. श्री अरविंद सावंत:
श्री संजय जाधव:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास उन सेवाओं का ब्यौरा है जो एक मौसम विज्ञानीआपदा संभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन को प्रदान कर सकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का देश के प्रत्येक आपदा संभावित जिले में पर्याप्त सहायक अवसंरचना के साथ एक मौसम विज्ञान की नियुक्ति करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का विचार अत्यधिक भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में जिला प्रशासन को सहायता प्रदान करने के लिए मौसम विज्ञानी/भूविज्ञानी की नियुक्ति करने का है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) चक्रवात, भारी वर्षा, अत्यधिक तापमान आदि जैसी विषम मौसमी घटनाओं सहित मौसम एवं जलवायु की निगरानी, संसूचन तथा पूर्वानुमान के लिए उत्तरदायी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा ये पूर्वानुमान राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरों पर जारी किये जाते हैं।

सभी प्रकार के मौसमी एवं हाइड्रोलॉजिकल आपदाओं हेतु समय समय पर पूर्व चेतावनी सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग एक प्रभावी पूर्वानुमान रणनीति का अनुपालन करता है। पूरे मौसम के लिए दीर्घ अवधि पूर्वानुमान जारी करने के बाद प्रत्येक गुरुवार को विस्तारित अवधि पूर्वानुमान सम्बन्धी नवीनतम जानकारी प्रदान की जाती है, जो चार सप्ताह के लिए मान्य होती है। विस्तारित अवधि पूर्वानुमान पर अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग प्रतिदिन अल्प से लेकर मध्यम अवधि पूर्वानुमान एवं चेतावनियां जारी करता है, जो अगले पांच दिनों के लिए मान्य होता है और उसमें अगले दो दिनों के लिए पूर्वानुमान व्यक्त किया जाता है। सभी जिलों एवं 1171 स्थानों के लिए प्रतिकूल मौसम के लिए अल्प से लेकर मध्यम अवधि के पूर्वानुमान के बाद अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में तीन घंटों तक के लिए (तत्काल पूर्वानुमान) जारी किए जाते हैं। इन तत्काल पूर्वानुमान (नाऊकास्ट) को प्रत्येक तीन घंटे पर या आवश्यकतानुसार अद्यतित किया जाता है।

मौसम वैज्ञानिक, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्रों / राज्य मौसम विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जिला प्रशासन को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करते हैं।

- स्थान विशिष्ट नाऊकास्ट, शहर पूर्वानुमान, वर्तमान मौसम प्रेक्षण, तथा दैनिक वर्षा आंकड़े नियमित रूप से प्रदान किये जा रहे हैं।
- अपेक्षित आपदापूर्ण मौसमी घटनाओं, उसके पूर्वानुमान / चेतावनी, अपेक्षित क्षति, तथा सुझायी गई कार्रवाई के बारे में आपदा प्रबंधकों के साथ समन्वयन करते हैं और उन्हें जानकारी देते हैं।
- किसी मौसमी आपदा की तैयारी, रोकथाम, एवं शमन उपायों के लिए पिछले ऐतिहासिक आंकड़ों, और उसकी व्याख्या प्रदान करते हैं। आपदा प्रबन्धन प्राधिकरणों द्वारा संचालित किये जाने वाले क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सहायता करते हैं।
- आवश्यकतानुसार विभिन्न हितधारकों समेत किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता करते हैं।

(ग)-(घ) मौजूदा अवसंरचना तथा संगठनात्मक सेटअप के साथ आपदा प्रबंधन को सहायता देने के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग सेवा आवश्यकताएं पूरी कर रहा है, भारत मौसम विज्ञान विभाग में अवसंरचना एवं सुविधाओं का अपग्रेडेशन एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें आवश्यकतानुसार जन शक्ति भी शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के सहयोग से लगभग 200 जिला स्तरीय कृषि मौसम विज्ञान इकाइयां (DAMU) स्थापित की गई हैं। प्रत्येक जिला स्तरीय कृषि मौसम विज्ञान इकाई में एक जिला एवं ब्लॉक स्तर पर कृषि मौसम विज्ञान सेवाओं हेतु एक विषय विशेषज्ञ रहता है। ये विशेषज्ञ, ICAR तथा राज्य/केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सहयोग से कृषि-जलवायु अंचलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 131 कृषि मौसम विज्ञान फील्ड इकाइयों (AMFU) में भी तैनात किये गये हैं।

(ङ)-(छ) पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से मौसम वैज्ञानिक / भू-वैज्ञानिक नियुक्त करने के लिए मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई प्रस्ताव आरंभ नहीं किया गया है। तथापि, भारत मौसम विज्ञान विभाग भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) तथा राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (NRSC) आदि के सहयोग से पहाड़ी क्षेत्रों सहित देश के लिए जोखिम एवं सुभेद्यशीलता विश्लेषण करता है, और भारी वर्षा के कारण होने वाले भूस्खलन, आकस्मिक बाढ़ आदि से सम्बन्धित प्रभाव बैंड पूर्वानुमान प्रदान कर रहा है।

******